दृढ़ता की शक्ति से बुराईयों पर विजय सम्भव-दादी हृदयमोहिनी

शान्तिवन, 9 जून। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्याल की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि अवगुण और बुराई श्रेष्ठ मानव की नहीं बल्कि रावण की वस्तु है। यह अलग बात है कि स्वयं के अन्दर शक्ति की कमी के कारण गुणों की जगह अवगुणों ने स्थान ले लिया है। परन्तु दृढ़ता की शक्ति से इस पर विजय प्राप्त किया जा सकता है। वे शान्तिवन में टीचर्स ट्रेनिंग कार्यक्रम में पूरे भारत से ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्रों पर रहने वाली चार सौ बहनों को सम्बोधित कर रही थी।

आगे दादीजी ने प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के महान कर्त्तव्यों का वर्णन करते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा ने कभी भी किसी को आदेश नहीं दिया बल्कि अपने कर्मों से सबको प्रेरणायें दी। हमें भी अपने आपको ऐसे दिव्य और प्रेरणादायी बनाना चाहिए जिससे दूसरों को हमारे कर्मों से श्रेष्ठ प्रेरणा मिल सके। यदि विकारों का थोड़ा भी अंश हमारे अन्दर रहेगा तो कभी भी वंश के रूप में पैदा हो सकता है। इसलिए ईश्वरीय याद की अग्नि से पूर्ण रूप से भस्म कर सच्चा सोना बने जिसमें किसी भी प्रकार की कोई भी खाद रह न जाये। परमात्मा द्वारा जो हमें दिशा निर्देशन मिलता है उसे त्वरित अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए।

टीचर्स ट्रेनिंग की निदेशिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा द्वारा निर्धारित हम शान्तिदूत है। हमारे चलन-चेहरे से सदैव शान्ति की किरणें प्रवाहित होनी चाहिए। आज संसार में तेजी से विकारों की अग्नि लगी हुई है। हमें शान्ति की देवी बनकर लोगों का सुख और शान्ति का रास्ता बताना है। यह तभी होगा जब हम परमात्मा के सानिध्य में रहकर उनके बताये नियमों का सही रूप से पालन कर स्वयं को शक्तिशाली बनायेंगे। हमारी स्थिति ऐसी हो जो देखने वाले को परमात्म साक्षात्कार हो जाये यही परमात्म आशा है। यह ट्रेनिंग एक मास चलेगी जिसमें स्वयं के अन्दर उतर अवगुणों को निकाल गुणों को धारण करने का सुनहरा अवसर मिलेगा।